वैदिक सभ्यता

→ ममता रानी
(अतिथि प्राध्यापक)
इतिहास विभाग
एस. एन. एस. आ.के.
एस कॉलेज, सहरसा

Scanned with CamScanner

वैदिक सभ्यता
[1500 BC - 600 BC]

हड़प्पा सभ्यता के बाद भारत में महत्वपूर्ण सभ्यता का जन्म हुआ, जिसको वैदिक सभ्यता कहा गया है। इस सभ्यता के बारे में सभी महत्वपूर्ण जानकारी वैदिक ग्रंथों से मिलती है। इसे आर्य सभ्यता भी कहा जाता है।
आर्य = श्रेष्ठ।

इसलिए वैदिक सभ्यता को श्रेष्ठजनों की सभ्यता का भी नाम दिया जाता है।

अध्ययन की सुविधा के लिए हमलोग इसको दो भागों में विभाजित कर सकते हैं :-

वैदिक सभ्यता

(a) ऋग्वैदिक सभ्यता / पूर्व वैदिक सभ्यता [1500 BC - 1000 BC]

(b) उत्तर वैदिक सभ्यता [1000 BC - 600 BC]

✡ **आर्यों का मूल निवास :-**

इस सभ्यता के जनक आर्य लोगों का मूल निवास स्थान कहाँ था, इसके बारे में विद्वानों में मतभेद है। जैसे :-

विद्वान का नाम	मत
डॉ० अविनाश चंद्र	सप्तसैंधव प्रदेश
प० गंगानाथ झा	ब्रह्मर्षि देश
मैक्समूलर	मध्य एशिया / बैक्ट्रिया
प्रो० पेन्का	जर्मनी
प्रो० गाइल्स	हंगरी
सर्वमान्य मत	यूरेशिया (आल्पस पर्वत का पूर्वी भाग)

Scanned with CamScanner

वैदिक भूगोल :-

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित तथ्यों को शामिल किया जाता है :-

(a) नदी :- ऋग्वेद में 40 नदियों का उल्लेख किया गया है, जिसमें कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं -

नया नाम		प्राचीन नाम
सिन्धु	-	सिन्धु
सतलज	-	शतुद्रि
चिनाव	-	अस्किनी
झेलम	-	वितस्ता
रावी	-	परुष्णी
व्यास	-	विपाशा
सरस्वती	-	सुरसती

उपर्युक्त नदियों के क्षेत्र को सप्त सैंधव प्रदेश कहा गया है। इन सातों में सबसे महत्वपूर्ण नदी सिन्धु नदी थी। सबसे पवित्र तथा लोकप्रिय नदी सरस्वती नदी थी। सरस्वती नदी को नदीतमा या नदियों की माता कहा गया है।

⇒ ईरान से चलकर आर्य लोग सर्वप्रथम सप्तसैंधव क्षेत्र में आकर बसे थे। इस समय गंगा और यमुना महत्वपूर्ण नदियाँ नहीं थी क्योंकि गंगा का एक बार और यमुना का तीन बार ही ऋग्वेद में उल्लेख किया गया है। गंडक नदी को सदानीरा कहा गया है। नेपाल में इसको नारायणी और शालिग्रामी कहा गया है। नदी सूक्त में गोमती नदी अंतिम नदी है, जिसकी पहचान पंजाब के गोमल नदी से किया जाता है।

Scanned with CamScanner

(b) समुद्र :-

आर्य लोग पूर्ण रूप से समुद्र के बारे में जानते थे या नहीं यह विवाद का विषय है, फिर भी चार महासागरों का उल्लेख किया गया है -

(i) अपर (ii) पूर्व
(iii) सारस्वत (iv) शर्याणवत ।

→ इसमें केवल अपर को पहचान अरब सागर के रूप में किया गया है।

(c) पर्वत :-

इस काल में हिमालय को हिमवंत कहा गया है और इसकी सर्वोच्च चोटी को मुंजवत कहा गया है। इसी मुंजवत से सोम का पौधा मंगाया जाता था।

(d) रेगिस्तान :-

ऋग्वेद में 'धन्व' शब्द का उल्लेख किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि रेगिस्तान के बारे में वह लोग जानकारी रखते थे।

(e) क्षेत्र विस्तार :-

आर्य लोग भारत में सप्त सैंधव प्रदेश से बाहर निकलकर सर्वप्रथम कुरुक्षेत्र और इसके आसपास के क्षेत्र को जीत लिया इसका नाम ब्रह्मावर्त रख दिया। इसके बाद गंगा यमुना के दोआब को जीतने के बाद इसका नाम ब्रह्मर्षि देश रख दिया। पुन हिमालय से लेकर विन्ध्य तक के क्षेत्र को जीतने के बाद इस क्षेत्र का नाम मध्य देश रखा गया। अंत में बिहार और बंगाल को जीतने के उपरांत भारत पर अब इन लोगों का नियंत्रण हो गया तब इस देश का नाम आर्यावर्त रख दिया गया। मौर्यकाल में भारत को जम्बूद्वीप भी कहा ग

Scanned with CamScanner

→ राजा भरत के नाम पर इस देश का नाम वैदिक काल में भारत रख दिया गया।

→ भारत को सर्वप्रथम यूनानी (ग्रीक) लोगों ने इण्डिया कहकर संबोधित किया।

→ मध्यकाल के प्रारंभ में मुस्लिमों ने या इस्लाम धर्म के अनुयायियों ने भारत को हिन्द या हिन्दुस्तान कहकर संबोधित किया।

=1=

Scanned with CamScanner